BEVAE-181

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.एस.सी.जी./बी.ए.जी./बीकॉम.जी.)
पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

1 जनवरी, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 तक वैध

विज्ञान विज्ञापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110068
(2024)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, भाग क और भाग ख। यह इस पाठ्यक्रम सभी खंडों कवर करता है। दोनों भागों के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।
3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 cm जगह छोड़ें।
4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
5) इस सत्रीय कार्य के भाग क और भाग ख हल करें, और **भाग क और भाग ख सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**
6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।
   हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।
7) यह सत्रीय कार्य **01 जनवरी, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे 31 दिसंबर, 2024 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको **2025** का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे**। किसी भी पूछताछ के लिए आप कृपया संपर्क करें : subhakanta@ignou.ac.in।

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)
पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

पाठ्यक्रम कोड : BEVAE-181
सत्रीय कार्यकोड : BEVAE-181/TMA/2024
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न हल करें। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

खंड क

1. "सतत् विकास एक आदर्श–लक्ष्य है जिसकी ओर सभी मानव समाजों को आगे बढ़ने की आवश्यकता है" उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन की पुष्टि करें। 8

2. समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पृथ्वी पर सबसे बड़ा और सबसे स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र है और इसका अत्यधिक पारिस्थितिक महत्व है। अपने उत्तर को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए। 8

3. "बहुतायत के बीच गरीबी, प्रकृति प्रचुर है लेकिन आदिवासी गरीब हैं" इस कथन को वन संसाधनों के संबंध में समझाएं। 7

4. "भारत की ऊर्जा आवश्यकताएँ केवल ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोतों को अपनाने में निहित हो सकती हैं"। विस्तार से व्याख्या कीजिए। 7

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें। 4x5

क) कुल और बांस ड्रिप सिंचाई पद्धतियों के महत्व को स्पष्ट करें।

ख) "मिट्टी जो भूमि की सबसे ऊपरी परत बनाती है, सभी संसाधनों में सबसे कीमती है"। इस कथन को समझाइये।

ग) जैव विविधता के अप्रत्यक्ष उपयोग मूल्य की व्याख्या करें।

घ) "प्रजाति विविधता जैव विविधता का सबसे अधिक दिखाई देने वाला घटक है।" वर्णन कीजिये।

च) खाद्य श्रृंखला और खाद्य जाल के बीच अंतर बताएं।

खंड ख

6. उपयुक्त केस अध्ययनों के साथ पर्यावरण संरक्षण में लोगों की भागीदारी की आवश्यकता की व्याख्या करें। 8

7. वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक भंडारों के संबंध में आर्द्रभूमि की प्रासंगिकता स्पष्ट करें। 7

8. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के उद्देश्यों और पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका की व्याख्या करें। 7

9. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें। 4x4

क) पर्यावरण मानव स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है? इसे उपयुक्त उदाहरणों सहित विस्तार से समझाइये।

ख) अनुचित अपशिष्ट निपटान से जुड़ी समस्याओं और मनुष्यों पर इसके प्रभाव की व्याख्या करें।

ग) अम्लीय वर्षा को प्रमुख वैश्विक मुद्दों में से एक माना जाता है। अम्लीय वर्षा एवं उसके प्रभावों को समझाइये।

घ) उन विभिन्न मापदंडों की व्याख्या करें जो खपत के रूप में पानी की गुणवत्ता का आकलन कर सकते हैं।

10. निम्नलिखित शब्दों को लगभग 60 शब्दों में समझाइएः 3x4

क) पर्यावरणीय न्याय

ख) केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)

ग) धूम कोहरा

घ) हरित गृह गैसें